पंजाब केसरी 19/10/2025

जरूरतमंद लोगों के साथ दीवाली मनाते गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज की एन.एस.एस. यूनिट्स के विद्यार्थी। (चंदमोहन)

हम केवल अपने घरों में ही नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश फैलाएं : डॉ. रोहित दत्त

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज की एन.एस.एस. यूनिट्स के विद्यार्थियों ने जरूरतमंद लोगों के साथ मनाई दीवाली

अम्बाला, 18 अक्तूबर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में एन.एस.एस. यूनिट्स के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित दीवाली उत्सव का आयोजन हर्षोल्लास और भावनात्मक उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जरूरतमंद व्यक्तियों को खुशी के उपहार वितरित किए गए और दया, सेवा एवं परोपकार की भावना के माध्यम से दीवाली के वास्तविक संदेश 'अंधकार से प्रकाश की ओर' को साकार किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने अपने संबोधन में कहा कि दीवाली का पर्व हमें यह प्रेरणा देता है कि हम केवल अपने घरों में ही नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में भी प्रकाश फैलाएं। एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा किया गया यह प्रयास इस बात का सुंदर उदाहरण है कि जब युवा समाज सेवा के लिए आगे आते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव स्वत: आता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हर उत्सव को मानवता और सहानुभूति के दृष्टिकोण से मनाएं और समाज के कमजोर वर्गों के लिए योगदान दें।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पिंकी गुप्ता ने कहा कि दीवाली केवल दीपों का पर्व नहीं, बल्कि मनुष्यता, करुणा और एकता का प्रतीक है। हमारे छात्र-छात्राओं ने जिस आत्मीयता और संवेदना के साथ जरूरतमंद लोगों की सहायता की, वह वास्तव में एन.एस.एस. के मूल मंत्र 'स्वयं से पहले सेवा' की सार्थक अभिव्यक्ति है। एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चन्द्रपाल पूनिया ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल छात्रों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं, बल्कि उनमें नेतृत्व, संगठन और सहयोग की भावना भी विकसित करते हैं। यह उत्सव हमें याद दिलाता है कि सच्ची खुशी दूसरों की मुस्कान में छिपी होती है।

कॉलेज प्रशासन ने एन.एस.एस. यूनिट्स के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम न केवल समाज के वंचित वर्गों के जीवन में खुशियां बिखेरेगा, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर सेवा, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना को भी प्रबल करेगा। इस अवसर पर प्रो. श्याम रहेजा, प्रो. हर्षिता लाम्बा तथा प्रो. गीती बिन्द्रा आदि उपस्थित रहे।